वैज्ञानिको ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर कृषि में स्वरोजगार के लिये छात्रों को किया जागरूक

कृषि के छात्र एवं छात्राओं को नवीन वैज्ञानिक विचारों से कृषि में बदलाव लाने के लिये किया प्रेरित

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र , लखनऊ के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, हरदोई द्वारा आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच पैदा करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन 'कृषि शिक्षा एवं समाज' विषय पर भरावन विकासखंड के वी बी एम इंटर कॉलेज परिसर में कृषि के छात्र एवं छात्राओं को जागरूक करने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र लखनऊ के अध्यक्ष डॉ टी दामोदरन ने छात्रों का आवाहन किया कि विज्ञान एवं तकनीकी ज्ञान के द्वारा कृषि क्षेत्र को और उन्नत बनाया जा सकता है तथा कृषि में रोजगार एवं उद्यमिता का सृजन करने के साथ ही कृषि को भी स्थाई रूप से उन्नत किया जा सकता है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी एवं संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ संजय अरोड़ा ने छात्रों को बताया की इस विशेष दिवस पर कार्यक्रम करने की मूल भावना व उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना, विज्ञान के क्षेत्र में नये प्रयोगों के लिए प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग करना है। दैनिक जीवन मे हम जाने अनजाने जो भी व्यवहारिक कार्य करते हैं वह किसी ना किसी विज्ञान के सिद्धांत पर आधारित होते हैं चाहे पहियों का घूमना हो या मोबाइल का उपयोग। उन्होने बताया की कृषि में वैज्ञानिक तरीके से खेती आज की जरूरत है। कृषि के प्रत्येक क्षेत्र जैसे-नवीन प्रजाति विकास, संतुलित एवं लक्ष्य अनुरूप उर्वरक प्रबंधन, पौध संरक्षण, बुवाई पद्धति, समन्वित कृषि प्रणाली आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों में विज्ञान की अहम भूमिका है। हर कृषि कार्य में विज्ञान का महत्व होता है जैसे खेत की सिंचाई हो , बीज का जमना हो , फसल का उत्पादन हो , फसल में पोषक तत्व का अवशोषण हो, सभी में विज्ञान के किसी ना किसी सिद्धांत का उपयोग होता है। कृषि में वैज्ञानिक दृष्टि के विकसित होने से कृषि में नए-नए नवाचार किए जा सकते हैं तथा कृषकों की आय दोगुनी करने के क्षेत्र में प्रयास किए जा सकते हैं। विज्ञान के साथ कृषि में जल के दक्षता पूर्ण उपयोग पर जानकारी देते हुए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ॰ अतुल कुमार सिंह ने छात्रों को बताया की जल का सही प्रबंधन खेत की लागत को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कृषि यंत्र पूरी तरह वैज्ञानिक सोच का नतीजा है जो की किसानो की ऊर्जा घटाने के साथ कार्य को शीघ्र करने में मदद करते है। तत्पश्चात केंद्र के वैज्ञानिक त्रिलोक नाथ राय ने मृदा की विशेषताओं तथा कृषि में मृदा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अमित सिंह ने भी छात्रों को कृषि विज्ञान केंद्र से जानकारी लेने तथा तकनीकों को सीखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रवक्ता श्री अशोक कुमार राय ने इस मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों का धन्यवाद करते हुए आशा जताई की किसानों की खेती में विज्ञान से उन्नति होगी। कार्यक्रम में विशेषज्ञ अंजलि साहू ने बताया की वैज्ञानिक दृष्टि के विकसित होने से समस्याओं का समाधान आसानी से किया जा सकता है तथा जीवन के हर पहलू में विज्ञान का उपयोग

लाभकारी होता है । जागरूकता कार्यक्रम में 130 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा कार्यक्रम में विद्यालय के उप प्रधानाचार्य दयाराम, कृषि विज्ञान के अध्यापक श्री विवेक सिंह , श्री संदीप सिंह, श्री प्रेम जी तथा अन्य कई शिक्षक गण उपस्थित रहे कार्यक्रम में श्री सत्येंद्र यादव ने सहयोग दिया।

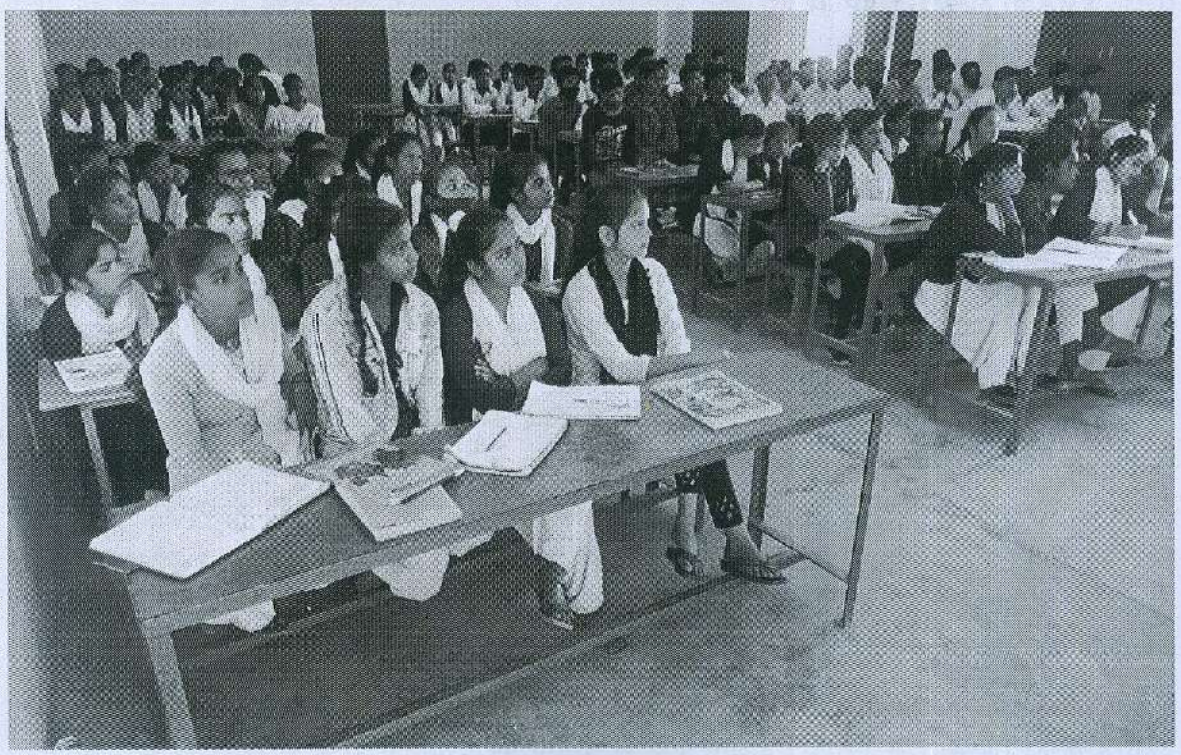

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
28 फरवरी 2022
" कृषि विज्ञान एवं समाज "
जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस